महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो.ऑ. – जवासिया, उज्जैन – 456006 (म.प्र.)
Maharshi Sandipani Rashtriya Vedavidya Pratishthan
(Ministry of Education, Govt. of India)
Ved Vidya Marg, Chintaman Ganesh, P.O. Jawasia, Ujjain – 456006 (M.P.)

पत्र.सं.17-1/2024(प्र &वि)/मसारावेविप्र/ दिनांक: 23/01/2025

कार्यालय आदेश - 1609

विषय : प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित किए जाने वाले अखिल भारतीय/क्षेत्रीय वेद सम्मेलनों में वेद संहिता ग्रन्थ को मोबाईल, टेबलेट्, किंड्ल आदि में देखकर वेदपारायण करने पर **प्रतिबन्ध**- निर्देश जारी

प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित किए जाने वाले **अखिल भारतीय/क्षेत्रीय वेद सम्मेलनों** में **उपस्थित होने** वाले वेदपाठशालाओं / गुरू-शिष्य परम्परा इकाई वेद अध्यापकों एवं सम्मेलन आयोजित करने वाली संस्थाओं को अधोलिखित निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है ।

1. सम्मेलन में वेद पारायण के दौरान तथा वेद पारायण पंडाल में /वेद पारायण मंच पर **स्मार्ट मोबाईल फोन या बटन मोबाईल फोन का उपयोग पूर्णतः वर्जित है । मेबाइल, टेबलेट्, किंड्ल आदि डिजिटल यन्त्रों को वेद पारायण पंडाल में नहीं लावें।**
2. **सम्मेलनों में उपस्थित होने वाले संमाननीय वेद गुरुओं** को मौखिक सस्वर वेद परम्परा के अनुसार ही (**वेद संहिता ग्रन्थ को <u>बिना देखकर</u>**) वेदपारायण करना है ।
   अगर वेदपाठी को (स्वयं को) वेद संहिता ग्रन्थ की नितान्त आवश्यकता होने की स्थिति में, **वेद संहिता ग्रन्थ एवं व्यासपीठ** को स्वयं लाना है । किसी भी परिस्थिति में **वेद संहिता ग्रन्थ को स्मार्ट फोन, टेबलेट्, किंड्ल आदि यन्त्रों में देखकर** वेदपारायण करने की अनुमति नहीं है । वेद पारायण मंच पर **स्मार्ट फोन, टेबलेट्, किंड्ल आदि यन्त्रों देखकर वेद पारायण करते पाये जाने पर उस व्यक्ति को तत्काल बाहर किया जायेगा।**
3. **मोबाईल में देखकर वेद पारायण करने से मौखिक सस्वर वेदपाठ परम्परा पर देश में, समाज में गलत संदेश जायेगा।** अतः निर्देश का पालन अनिवार्य है।
4. सम्मेलन के प्रथम दिन में वेद पारायण का शुभारंभ काल में (प्रातः 8 बजे के आसपास अथवा उद्घाटन सत्र के उपरान्त) वेद संहिता ग्रन्थ की पूजा अर्चना, वैदिकों का सम्मान समय में आशीर्वादात्मक मन्त्रों या सूक्तों का पाठ करना है। उपस्थित वैदिकों को पहले ही इस पर सोचकर रखना है, मंगल सूक्त जैसे मन्त्रों का पाठ करे। मूत्रविमोचनम्, कृत्यानाशनम् जैसे मन्त्रों का पाठ न करें।
5. वेद सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य मौखिक सस्वर वेदपाठ परम्परा, सस्वर वैदिक शिक्षा, वेद में निहित ज्ञान को जनमानस तक पहुंचाना हैं । अत: वेदसम्मेलन में वेद पारायण एवं अन्य वेद कार्यक्रम हेतु उपस्थित सभी वैदिकों को सम्मेलन में आयोजित होने वाले वेद संदेश यात्रा, वेद व्याख्यान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में समय पर उपस्थिति अनिवार्य है ।

23/1/2025

(प्रो. विरूपाक्ष वि.जड्डीपाल्)
सचिव

प्रतिलिपि:(1) समस्त वेदपाठशाला / गुरू-शिष्य परम्परा इकाई अध्यापकों को सूचनार्थ एवं पालनार्थ ।
(2) वेद सम्मेलन आयोजक संस्थाओं को सूचनार्थ एवं पालनार्थ ।
(3) संबंधित पत्रावली ।
(4) कार्यालय आदेश पत्रावली । (5) वेब साईट पर सूचनार्थ

Tele : 0734-2502266, 2502254, 2502255 Fax : 0734-2502266
E-mail :msrvvpujn@gmail.com Website : msrvvp.ac.in